

8

Jalebis

It So Happened...

(English to Hindi Translation)

I

- An honest boy is on his way to school carrying money in his pocket to pay the school fees.
- एक ईमानदार लड़का स्कूल की फीस का भुगतान करने के लिए अपनी जेब में पैसे लेकर स्कूल जा रहा है।
- The sight of crisp, syrupy jalebis in the market excites him and the coins in his pocket begin to jingle.
- बाजार में कुरकुरी, रस भरी जलेबियों का दृश्य उसे उत्तेजित करता है और उसकी जेब में सिक्के खनकने लगते हैं।
- After a long debate with himself, he yields to the sweet temptation.
- खुद के साथ एक लंबी बहस के बाद, उसके भीतर मिठाई के लिए प्रलोभन जागृत हो जाता है।

IT happened many years ago. I was in the fifth standard at the government school, Kambelpur, now called Atak. One day, I went to school with four rupees in my pocket to pay the school fees and the fund. When I got there I found that the teacher who collected the fees, Master Ghulam Mohammed, was on leave and so the fees would be collected the next day. All through the day the coins simply sat in my pocket, but once school got over and I was outside, they began to speak.

ऐसा कई साल पहले हुआ था। मैं काम्बेलपुर, जिसे अब एटक कहा जाता है, के सरकारी स्कूल में पांचवीं कक्षा में था। एक दिन, मैं स्कूल की फीस और फंड का भुगतान करने के लिए अपनी जेब में चार रुपये लेकर स्कूल गया। जब मैं वहां पहुंचा तो मैंने पाया कि फीस जमा करने वाले शिक्षक, मास्टर गुलाम मोहम्मद, छुट्टी पर थे और इसलिए फीस अगले दिन जमा की जाएगी। पूरे दिन सभी सिक्के मेरी जेब में आराम से बैठे रहे, लेकिन जब स्कूल की छुट्टी हो गई और मैं बाहर था, वे खनकने लगे।

All right. Coins don't talk. They jingle or go khanak-khanak. But I'm telling you, that day they actually spoke! One coin said, "What are you thinking about? Those fresh, hot jalebis coming out of the kadhao in the shop over there, they're not coming out for nothing. Jalebis are meant to be eaten and only those with money in their pocket can eat them, And money isn't for nothing. Money is meant to be spent and only they spend it, who like jalebis."

"Look here, you four rupees, I said to them. I am a good boy. Don't misguide me or it won't be good for you. I get so much at home that I consider even looking at something in the bazaar a sin. Besides, you are my fees and fund money. If I spend you today, then how shall I show my face to Master Ghulam Mohammed in school tomorrow and after that to Allah miyan at Qayamat? You probably don't know it but when Master Ghulam Mohammed gets angry and makes you stand on the bench, he simply forgets to let you sit till the last bell rings. So it's best you stop chewing at my ears like this and let me go home straight."

बिल्कुल ठीक। सिक्के बात नहीं करते। वे बजते हैं या खनक-खनक करते हैं। लेकिन मैं आपको बता रहा हूँ, उस दिन वे वास्तव में बोले! एक सिक्के ने कहा, "तुम किस बारे में सोच रहे हो? वहां दुकान में कढ़ाओ से बाहर आ रही वे ताजा, गर्म जलेबां, वे बेकार में बाहर नहीं आ रही हैं। जलेबियां खाने के लिए बनी हैं और केवल वही लोग उन्हें खा सकते हैं जिनकी जेब में पैसे हैं, और पैसा बेकार नहीं है। पैसा खर्च करने के लिए होता है और केवल वे लोग इसे खर्च करते हैं, जो जलेबी पसंद करते हैं।"

मैंने उनसे कहा, "यहां देखो, तुम चार रुपये। मैं एक अच्छा लड़का हूँ। मुझे बरगलाओ मत वरना यह तुम्हारे लिए अच्छा नहीं होगा। मुझे घर पर इतना कुछ मिलता है कि मैं बाजार में किसी चीज़ की ओर देखना भी पाप समझता हूँ। इसके अलावा, तुम मेरी फीस और फंड के पैसे हो। अगर मैं

8

Jalebis

It So Happened...

(English to Hindi Translation)

आज तुम्हें खर्च करता हूँ, तो फिर कल मैं स्कूल में मास्टर गुलाम मोहम्मद को और उसके बाद क़यामत में अल्लाह मियां को अपना चेहरा कैसे दिखाऊंगा? तुम्हें शायद यह पता नहीं है, लेकिन जब मास्टर गुलाम मोहम्मद गुस्सा हो जाते हैं और तुम्हें बेंच पर खड़ा कर देते हैं, तब वह आखिरी घंटी बजने तक तुम्हें बैठाना भूल जाते हैं। तो यह सबसे अच्छा है कि तुम इस तरह मेरे कान चबाना बंद करो और मुझे सीधे घर जाने दो।

The coins disliked what I'd said so much that all of them began to speak at the same time. There was such a clamour that passersby in the bazaar stared, eyes wide with surprise, at me and my pocket. The coin of those days, the wretched thing, made so much more noise too! Finally, in a panic, I grabbed all four of them and held them tight in my fist and then they were silent.

सिक्के को मेरा बोलना इतना नापसंद लगा कि उन सभी ने एक साथ बोलना शुरू कर दिया। वहां ऐसा शोर था कि बाजार में राहगीर मेरी और मेरी जेब की तरफ आश्चर्य के साथ आंखें फाड़ कर घूरने लगे। उन दिनों का सिक्का, मनहूस बात, इतना अधिक शोर भी करते थे! अंत में, एक दहशत में, मैंने उन सभी चारों को पकड़ लिया और उन्हें अपनी मुट्ठी में कस कर जकड़ लिया और फिर वे चुप थे।

After taking a few steps, I loosened my grip. Immediately, the oldest coin said, "Here we are trying to tell you something for your own good and you try to strangle us instead. Tell me honestly now, don't you feel like eating those hot, hot jalebis? And then, if you do end up spending us for today, won't you get the scholarship money tomorrow? Sweets with the fees money, fees with the scholarship money. End of story! Kissa khatam, paisa hazam."

What you're saying isn't right, I replied, but it isn't that wrong either. Listen. Stop blabbering and let me think. I am not a common sort of boy. But then, these jalebis are no common sort of jalebis either. They're crisp, fresh and full of sweet syrup.

कुछ कदम आगे बढ़ने के बाद मैंने अपनी पकड़ ढीली कर ली। सबसे पुराने सिक्के ने तुरंत कहा, "यहां हम तुम्हें तुम्हारे भले के लिए कुछ बताने की कोशिश कर रहे हैं और बजाय इसके आपने हमारा गला घोटने की कोशिश की। अब ईमानदारी से मुझे बताओ, क्या तुम्हारा उन गर्म, गर्म जलेबियों को खाने का मन नहीं कर रहा? और फिर, यदि आज तुम हमें खर्च कर देते हो, तो क्या कल तुम्हें छात्रवृत्ति के पैसे नहीं मिलेंगे? फीस के पैसे से मिठाई, छात्रवृत्ति के पैसे से फीस। कहानी का अंत! किस्सा खत्म, पैसा हज़म।

मैंने कहा, तुम जो कह रहे हो सही नहीं है, लेकिन यह उतना भी गलत नहीं है। सुनो। बकबक बंद करो और मुझे सोचने दो। मैं एक आम तरह का लड़का नहीं हूँ। लेकिन फिर, ये जलेबी भी कोई आम तरह की जलेबी नहीं हैं। वे कुरकुरी, ताजा और मीठे रस से भरी हुई हैं।

My mouth watered, but I wasn't about to be swept away so easily. In school I was among the most promising students. In the fourth standard exams, I had even won a scholarship of four rupees a month. Besides, I came from a particularly well-to-do family, so I enjoyed considerable prestige. I'd never once been beaten so far. On the contrary, Masterji had got me to beat the other boys. For a child of such status, standing there in the middle of the bazaar eating jalebis? No. It wasn't right, I decided. I clenched the rupiyas in my fist and came home.

मेरे मुंह में पानी आ गया, लेकिन मैं इतनी आसानी से बह जाने वाला नहीं था। स्कूल में मैं सबसे होनहार छात्रों में से एक था। चौथी कक्षा की परीक्षा में, मैंने चार रुपये प्रतिमाह की छात्रवृत्ति भी जीती थी। इसके अलावा, मैं एक प्रतिष्ठित परिवार से आया था, तो मेरी काफी प्रतिष्ठा थी। मेरी अभी तक

8

Jalebis

It So Happened...

(English to Hindi Translation)

एक बार भी पिटाई नहीं हुई थी। पर इसके विपरीत, मास्टरजी ने मुझे दूसरे लड़कों की पिटाई करने के लिए कहा था। ऐसी प्रतिष्ठा वाले एक बच्चे के लिए, बाजार के बीच में वहां खड़े होकर जलेबी खाना? नहीं। यह सही नहीं था, मैंने फैसला किया। मैंने रुपयों को अपनी मुट्ठी में दबाया और घर आ गया।

The coins were so keen on being spent that day, they kept up their attempts at persuasion till their voices began to choke. When I reached home and sat on the bed, they began to speak. I went inside to have lunch, they began to shriek. Thoroughly fed up, I rushed out of the house barefoot and ran towards the bazaar. Terrified I was, but quickly I told the halwai to weigh a whole rupee worth of jalebis. His astonished look seemed to be asking where I had the handcart in which I would carry all those jalebis. Those were inexpensive times. One rupee fetched more than twenty rupees does nowadays. The halwai opened up a whole newspaper and heaped a pile of jalebis on it.

सिक्के उस दिन खर्च किए जाने के लिए इतना उत्सुक थे कि, वे मुझे मनाने के लिए तब तक प्रयास करते रहे जब तक कि उनकी आवाज बंद होनी शुरू नहीं हो गई। जब मैं घर पहुंचा और बेड पर बैठ गया तो वे बोलने लगे। मैं दोपहर का भोजन करने के लिए अंदर चला गया, तो उन्होंने चीखना शुरू कर दिया। पूरी तरह से तंग आकर, मैं नंगे पांव तेजी से घर से बाहर निकला और बाजार की ओर भागा। मैं घबरा गया था, लेकिन जल्दी से मैंने हलवाई से कहा कि वह पूरे एक रुपये की जलेबी तौल दे। उसके चकित हाव भाव शायद यह पूछ रहे थे कि मेरा वह ठेला कहां था जिसमें मैं उन सभी जलेबियों को ले जाऊंगा। उस समय सामान सस्ता होता था। एक रुपए में आज के बीस रुपये से अधिक सामान आ जाता था। हलवाई ने एक पूरा अखबार खोला और उस पर जलेबी का ढेर लगा दिया।

II

A heap of jalebis he eats, and shares them liberally with one and all.

Though penniless now, he feels no less important than a mob leader.

The real problem at hand is payment of school fees on time.

Just as I was gathering up the heap, in the distance I spotted our tonga. Chachajaan was returning from Court. I clutched the jalebis to my chest and ran into a gali. When I reached a safe corner, I began to devour the jalebis. I ate so many... so many jalebis that if anyone pressed my stomach a little, jalebis would have popped out of my ears and nostrils.

जलेबी के एक ढेर को वह खाता है, और उन्हें उदारतापूर्वक सभी के साथ साझा करता है।

हालांकि अब उसके पास एक भी पैसा नहीं था, वह एक भीड़ के नेता से कम महत्वपूर्ण महसूस नहीं करता है।

इस समय असली समस्या समय पर स्कूल की फीस का भुगतान करना है।

जब मैं ढेर को इकट्ठा कर रहा था, मैंने थोड़ी दूरी पर हमारा तांगा देखा। चाचाजान कोर्ट से लौट रहे थे। मैंने जलेबियों को अपनी छाती से चिपकाया और एक गली में भाग गया। जब मैं एक सुरक्षित कोने में पहुंच गया, मैंने जलेबी खानी शुरू की। मैंने इतनी सारी खा ली... इतनी सारी जलेबी कि अगर कोई मेरे पेट को थोड़ा भी दबा देता, तो जलेबी मेरे कानों और नथुनों से बाहर निकल जाती।

8

Jalebis

It So Happened...

(English to Hindi Translation)

Very quickly, boys from the entire neighbourhood assembled in the gali. By that time I was so pleased with my stomach full of jalebis that I got into the mood for some fun. I started handing out jalebis to the children around. Delighted they ran off, jumping and screaming, into the galis. Soon a whole lot of other children appeared, probably having heard the good news from the others. I dashed to the halwai and bought one more rupee's worth of jalebis, came back and stood on the chabutara of one of the houses, liberally distributing jalebis to the children just like the Governor saheb used to distribute rice to the poor and needy on Independence day. By now there was a huge mob of children around me. The beggars too launched an assault! If children could be elected to the Assembly, my success would have been assured that day. Because one little signal from my jalebi-wielding hand and the mob would have been willing to kill and get killed for me. I bought jalebis for the remaining two rupees as well and distributed them. Then I washed my hands and mouth at the public tap and returned home, putting on such an innocent face, as if I hadn't even seen the hint of a jalebi all my life. Jalebis I had gobbled up easily enough, but digesting them became another matter. With every breath came a burp, and with every burp, the danger of bringing out a jalebi or two — the fear was killing me. At night I had to eat my dinner as well. If I hadn't eaten I would have been asked to explain why I did not want any food, and if I had pretended illness the doctor would have been summoned and if the doctor, after feeling my pulse, had declared, Munna has devoured a mound of jalebis, I would simply die.

बहुत जल्दी पूरे मोहल्ले के लड़के गली में इकट्ठे हो गए। उस समय तक मैं पेट भर जलेबी खाने से इतना खुश था कि मैं कुछ मस्ती के मूड में आ गया। मैंने आसपास के बच्चों को जलेबी देनी शुरू कर दी। खुश होकर वे कूदते और चिल्लाते हुए गलियों में भाग गए। जल्दी ही अन्य नए बच्चों का समूह दिखाई दिया, शायद दूसरों से अच्छी खबर सुन कर आए। मैं हलवाई के पास वापस गया तथा एक और रुपए की जलेबी खरीदी, वापस आकर एक घर के चबूतरे पर खड़ा हो गया, उदारतापूर्वक बच्चों को जलेबी वितरित करने लगा जैसे राज्यपाल साहब स्वतंत्रता दिवस पर गरीबों और जरूरतमंदों को चावल वितरित करते थे। अब तक मेरे आसपास बच्चों की भारी भीड़ थी। भिखारियों ने भी आना शुरू किया! अगर बच्चे विधानसभा के लिए चुने जा सकते थे तो उस दिन मेरी सफलता सुनिश्चित हो गई होती। क्योंकि मेरे जलेबी बांटने वाले हाथ के एक छोटे से संकेत से भीड़ मरने और मारने के लिए तैयार हो जाती। मैंने बाकी दो रुपयों की भी जलेबी खरीदी और उन्हें बांट दिया। फिर मैंने सार्वजनिक नल पर अपने हाथ और मुंह धोया और घर लौट आया, ऐसा मासूम चेहरा बनाया, जैसे कि मैंने अपनी पूरी जिंदगी जलेबी का संकेत भी नहीं देखा था। मैं जलेबियों को आसानी से खा तो गया था, लेकिन उन्हें पचाना एक और मामला बन गया। हर सांस के साथ एक डकार आई, और हर डकार के साथ, एक या दो जलेबी के बाहर आने का खतरा- मुझे मार रहा था। रात को मुझे अपना रात का खाना भी खाना था। अगर मैंने खाना नहीं खाया होता तो मुझे यह समझाने के लिए कहा जाता कि मुझे खाना क्यों नहीं चाहिए था, और अगर मैंने बीमारी का नाटक किया होता तो डॉक्टर को बुलाया जाता और अगर डॉक्टर ने मेरी नब्ज महसूस करने के बाद घोषणा की होती, कि मुन्ना ने जलेबी का एक टीला खा लिया है, मैं बस मर जाता।

The result was that all night I lay, coiled up like a jalebi, suffering a stomach ache. Thank God I didn't have to eat all four rupees worth of jalebis by myself. Otherwise, as they say, when children speak, flowers shower from their mouths but I would be the first child in the world with whose every word a crisp, fried jalebi would come out.

परिणाम यह था कि मैं पूरी रात एक जलेबी की तरह कुंडल मारकर, पेट में दर्द के साथ लेटा रहा। भगवान का शुक्र है कि मुझे सभी चार रुपये मूल्य की जलेबी खुद नहीं खानी थीं। अन्यथा, जैसा कि वे कहते हैं, कि जब बच्चे बोलते हैं, उनके मुंह से फूल झड़ते हैं, लेकिन मैं दुनिया में पहला बच्चा होगा जिसके हर शब्द के साथ एक कुरकुरी, तली हुई जलेबी बाहर आ जाएगी।

8

Jalebis

It So Happened...

(English to Hindi Translation)

Children don't have stomachs, they have digestion machines. My machine too kept working right through the night. In the morning, just like any other day, I washed my face and like a virtuous student, with chalk and slate in hand, I headed for school. I knew I would get the previous month's scholarship that day and once I'd paid the fees with that amount, the jalebis would be completely digested. But when I got to school, I found out that the scholarship was going to be paid the following month. My head started to spin. I felt as if I was standing on my head and could not get on to my feet again even if I tried. Master Ghulam Mohammed announced that the fees would be taken during the recess. When the recess bell rang, I tucked my bag under my arm and left the school and simply followed my nose, walking on and on... If no mountain or ocean blocked my path, I would have kept going till the earth ended and the sky began, and once I got there, I would say to Allah miyan. "Just this once save me. Order a farishta to pass by and drop just four rupees in my pocket. I promise I will use them only to pay my fees and not to eat jalebis."

बच्चों के पास पेट नहीं है, उनके पास पाचन मशीनें हैं। मेरी मशीन भी पूरी रात काम करती रही। सुबह के समय, किसी भी अन्य दिन की तरह, मैंने अपना चेहरा धोया और एक गुणी छात्र की तरह, हाथ में चाक और स्लेट के साथ, मैं स्कूल के लिए चल पड़ा। मुझे पता था कि मुझे पिछले महीने की छात्रवृत्ति उस दिन मिल जाएगी और एक बार मैं उस राशि से फीस का भुगतान कर दूंगा, जलेबियां पूरी तरह से पच जाएंगी। लेकिन जब मैं स्कूल पहुंचा, मुझे पता चला कि छात्रवृत्ति का भुगतान अगले महीने होने वाला था। मेरा सिर चकराने लगा। मुझे लगा जैसे मैं अपने सिर के बल खड़ा था और कोशिश करके भी अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो सकता था। मास्टर गुलाम मोहम्मद ने घोषणा की कि भोजनावकाश के दौरान फीस ली जाएगी। जब भोजनावकाश की घंटी बजी, मैंने अपने बैग को अपनी बगल में दबाया और स्कूल से निकल गया और बस अपनी नाक की सिधाई में चलता गया, चलता गया..। यदि कोई पहाड़ या महासागर मेरे रास्ते को अवरुद्ध नहीं करता, तो मैं वहां तक चलता रहता जहां पृथ्वी समाप्त होती है और आकाश शुरू होता है, और एक बार मैं वहाँ पहुंच जाऊंगा, मैं अल्लाह मि्यान से कहूंगा। "बस यह एक बार मुझे बचा लो। एक फरिश्ते को यहां से गुजरने और मेरी जेब में बस चार रुपये डालने का आदेश दें। मैं वादा करता हूँ कि मैं उनका केवल मेरी फीस का भुगतान करने के लिए उपयोग करूंगा और जलेबी खाने के लिए नहीं।

I couldn't reach the point where the earth ended, but definitely reached the point where the Kambelpur railway station began. The elders had warned me never to cross the railway tracks. Fine. The elders had also warned me that one must never eat sweets with one's fees money. How did this instruction escape my mind that day? I don't know.

मैं उस स्थान तक नहीं पहुंच सका, जहां पृथ्वी खत्म होती है, लेकिन उस स्थान पर जरूर पहुंचा, जहां काम्बेलपुर रेलवे स्टेशन शुरू होता था। बुजुर्गों ने मुझे कभी भी रेल पटरियां पार न करने की चेतावनी दी थी। अच्छा। बड़ों ने मुझे यह चेतावनी भी दी थी कि किसी को अपनी फीस के पैसे से कभी मिठाई नहीं खानी चाहिए। यह निर्देश उस दिन मेरे दिमाग से कैसे निकल गया? मुझे नहीं पता।

III

Remorseful and scared, he prays to God for monetary help.

पश्चाताप और डर में, वह मौद्रिक मदद के लिए भगवान से प्रार्थना करता है।

8

Jalebis

It So Happened...

(English to Hindi Translation)

He makes matters look normal but prays harder than ever.

The inevitable happens, though somewhere along the way he notices the divide between the fanciful and the factual.

वह मामलों को सामान्य दिखाता है लेकिन पहले से कहीं अधिक कठिन प्रार्थना करता है।

अपरिहार्य होता है, हालांकि कहीं रास्ते में वह काल्पनिक और तथ्यात्मक के बीच अंतर नोटिस करता है।

There was a shade-giving tree beside the railway tracks. I sat under it and wondered whether there could possibly be a more unfortunate child than me in this world! When the coins had first created a racket in my pocket, the entire matter seemed so simple and straightforward. Eat jalebis with the fees money and then pay the fees with the scholarship money. I thought that two and two added up to four and could never be five. How was I to know that sometimes it added up to five as well? Had I known that I would get the scholarship the next month, I would have postponed my jalebi eating programme to the next month as well. Now for the crime of eating a few jalebis, for the first time in my life I was absent from school, and crouching in the shade of a tree in a deserted corner of the railway station. Sitting there under the tree, at first I felt like crying.

रेलवे ट्रैक के बगल में छाया देने वाला एक पेड़ था। मैं उसके नीचे बैठ गया और यह सोचने लगा कि इस दुनिया में क्या संभवतः मुझसे अधिक दुर्भाग्यशाली बच्चा हो सकता है! जब सिक्कों ने पहली बार मेरी जेब में कोलाहल मचाया था, पूरा मामला इतना आसान और सीधा लग रहा था। फीस के पैसे से जलेबी खाओ और फिर छात्रवृत्ति के पैसे से फीस का भुगतान करो। मैंने सोचा था कि दो और दो जोड़ कर चार बनते हैं और पांच कभी नहीं हो सकते हैं। मुझे कैसे पता चला कि कभी-कभी यह जुड़कर पांच भी बन जाते हैं? अगर मुझे पता होता कि मुझे अगले महीने छात्रवृत्ति मिलेगी, मैंने जलेबी खाने के अपने कार्यक्रम को भी स्थगित कर दिया होता। अब कुछ जलेबी खाने के अपराध के लिए, अपने जीवन में पहली बार मैं स्कूल से अनुपस्थित था, और रेलवे स्टेशन के एक सुनसान कोने में एक पेड़ की छाया में बैठा था। पेड़ के नीचे वहां बैठकर, पहले मैंने रोने की तरह महसूस किया।

Then I felt like laughing when it struck me that the tears I was shedding were not tears but drops of jalebi syrup. From the jalebis my thoughts went to the fees, and from fees to Master Ghulam Mohammed's cane, and from his cane I thought of God. I closed my eyes, and began to pray.

फिर मैंने हंसने जैसा महसूस किया जब मुझे लगा कि जो आंसू मैं बहा रहा था, आंसू नहीं थे बल्कि जलेबी के रस की बूंदें थीं। जलेबी से मेरे विचार फीस पर चले गए, और फीस से मास्टर गुलाम मोहम्मद की बेंत तक, और उनकी बेंत से मैंने भगवान के बारे में सोचा। मैंने अपनी आँखें बंद कीं, और प्रार्थना करना शुरू किया।

'Allah miyan! I'm a very good boy. I have memorised the entire namaaz. I even know the last ten surats of the Quran by heart. If you wish, I can recite the entire ayat-al-kursi for you just now. The need of your devoted servant is only the fees money that I ate the jalebis with... So all right, I admit I made a mistake. I didn't eat them all by myself, though I fed them to a whole lot of children too, but yes, it was a mistake. If I'd known the scholarship money would be given next month, I would neither

8

Jalebis

It So Happened...

(English to Hindi Translation)

have eaten them nor fed them to the others. Now you do one thing, just put four rupees in my bag. If there's a paisa more than four rupees I will be very displeased with you. I promise, if I ever eat sweets with my fees money again, then let a thief's punishment be my punishment. So, Allah miyan, just this once, help me out. There is no shortage of anything in your treasury. Even our chaprasi takes a whole lot of money home every month, and Allahji, after all I am the nephew of a big officer. Won't you give me just four rupees?

' अल्लाह मियां! मैं बहुत अच्छा लड़का हूँ। मैंने पूरी नमाज को याद किया है। मैं दिल से कुरान के अंतिम दस सूरतों को भी जानता हूँ। यदि आप चाहें, मैं अभी-अभी आपको पूरी अयात-अल-कुर्सी सुना सकता हूँ। आपके समर्पित नौकर की जरूरत केवल फीस के पैसे हैं जिनसे मैं जलेबी खा गया ... तो ठीक है, मैं मानता हूँ कि मैंने एक गलती की है। मैंने वे सारी खुद नहीं खाई, हालांकि मैंने अनेक बच्चों को भी खिलाया, लेकिन हां, वह एक गलती थी। अगर मुझे पता होता कि छात्रवृत्ति के पैसे अगले महीने दिए जाएंगे, तो मैंने न तो उनसे खाया होता और न ही दूसरों को खिलाया होता। अब आप एक काम कीजिए, बस चार रुपये मेरे बैग में डाल दीजिए। अगर वहां चार रुपए से एक पैसा भी अधिक होगा तो मैं आपसे बहुत नाराज़ हो जाऊंगा। मैं वादा करता हूँ, अगर मैं कभी अपनी फीस के पैसे से फिर से मिठाई खाता हूँ, तो फिर जो सजा एक चोर को दी जाती है वही मेरी सजा हो। तो, अल्लाह मियां, बस इस बार, मेरी मदद करो। आपके खज़ाने में किसी भी चीज़ की कोई कमी नहीं है। यहां तक कि हमारे चपरासी भी हर महीने बहुत सारे पैसे घर ले जाते हैं, और अल्लाहजी, आखिरकार मैं एक बड़े अधिकारी का भतीजा हूँ। क्या आप मुझे बस चार रुपए नहीं देंगे?

After the prayer I offered namaaz, recited ten surats, ayat-alkursi, kalma-e-tayyab, in fact everything that I remembered. Then I blew over my bag saying Choo. Then, after saying bismillah, I realised that what they said was only too true — no one can erase what fate has decreed. Forget four rupees, there weren't even four paise in my bag. Just a few textbooks and notebooks. One pencil. One sharpener. One Id card my Mamu had sent me last Id.

प्रार्थना के बाद मैंने नमाज अदा की, दस सूरतों, अयात-अल कुर्सी, कलमा-ए-तैय्यब का पाठ किया,, वास्तव में वह सब कुछ जो मुझे याद था। तब मैंने अपने बैग पर छू कह कर फूंक मारी। फिर, बिस्मिल्लाह कहने के बाद, मैंने महसूस किया कि उन्होंने जो कहा वह केवल बहुत सच था- कोई भी भाग्य के लिखे को नहीं मिटा सकता। चार रुपये भूल जाइए, मेरे बैग में चार पैसे भी नहीं थे। बस कुछ पाठ्यपुस्तकें और नोटबुक थीं। एक पेंसिल। एक शार्पनर। एक आईडी कार्ड जो मेरे मामू ने मुझे पिछली ईद पर भेजा था।

I felt like crying as loudly as I could, but then I remembered that school must have ended and the children must be on their way home. Tired and defeated, I got up from there and walked to the bazaar and waited for the school bell to ring, so that when the children came out I too would walk home with them as if I had come straight from school.

मेरा मन जोर जोर से रोने का कर रहा था, लेकिन फिर मुझे याद आया कि स्कूल की छुट्टी हो गई होगी और बच्चे अपने घर जा रहे होंगे। थका हुआ और हारा हुआ, मैं वहां से उठा और बाजार चला गया और स्कूल की घंटी के बजने का इंतजार करने लगा, ताकि जब बच्चे बाहर आए तो मैं भी उनके साथ घर चला जाऊं जैसे कि मैं सीधे स्कूल से आया था।

8

Jalebis

It So Happened...

(English to Hindi Translation)

I didn't even realise that I was standing near the jalebiwala's shop. Suddenly, the halwai called out, "Kyon bhai, shall I weigh a rupee's worth? Don't want jalebis today?"

I felt like saying I won't eat your jalebis today but, I'd sure like to roast your liver and eat that instead. But I wasn't feeling too well that day, so I simply moved away.

मुझे यह अंदाजा भी नहीं था कि मैं जलेबीवाले के पास खड़ा हूँ। अचानक हलवाई ने बुलाया, क्यों भाई, क्या मैं एक रुपये की कीमत की तौल दूँ? आज जलेबी नहीं चाहिए?"

मुझे लगा जैसे कि मैं कह रहा हूँ कि आज मैं आपकी जलेबी नहीं खाऊँगा, लेकिन बजाये इसके मैं निश्चित तौर पर आपके जिगर को भून कर खाऊँगा। लेकिन मैं उस दिन अच्छा महसूस नहीं कर रहा था, इसलिए मैं बस दूर चला गया।

The next day I did the same thing. I got dressed and left home, went up to the school gate and then turned off to the railway station. Under the same tree I sat and began to say the same prayers. I repeatedly pleaded, Allah miyan! At least give it to me today. Today is the second day.

Then I said, "All right come, let's play a game. I will go from here to that signal. You secretly place four rupees under this big rock. I will touch the signal and come back. What fun it will be if I pick up the rock and find four rupees underneath! So, are you ready? I am going towards the signal. One-two-three."

अगले दिन मैंने वही काम किया। मैं तैयार हो गया और घर से निकल गया, स्कूल गेट तक गया और फिर रेलवे स्टेशन की ओर चल दिया। मैं उसी पेड़ के नीचे बैठ गया और वहीं दुआएं करने लगा। मैंने बार-बार निवेदन किया, अल्लाह मियां! कम से कम आज मुझे दे दो। आज दूसरा दिन है। तब मैंने कहा, "ठीक है, चलो एक खेल खेलते हैं। मैं यहां से उस सिग्नल तक जाऊँगा। आप चुपके से इस बड़ी चट्टान के नीचे चार रुपये रख देना। मैं सिग्नल को छूकर वापस आ जाऊँगा। कितना मज़ा आएगा जब मैं चट्टान को उठाऊँगा और नीचे चार रुपये मिलेंगे! तो, क्या आप तैयार हैं? मैं सिग्नल की ओर जा रहा हूँ। एक-दो-तीन।"

I went up to the signal and returned, smiling. But I could not find the courage to pick up the rock. What if the coins were not there? But then, I thought, what if they were?

Finally after saying bismillah, when I lifted up the rock, this big hairy worm got up, and curling and twisting wriggled towards me. I screamed and ran away and once again touched the signal. Then, crawling on my hands and knees, I reached the tree. I tried my best not to let my eyes stray towards the rock. But as I picked up my bag and was about to leave, I had to look once again at the rock, and do you know what I saw there? I saw Mr Worm coiled on it comfortably, staring at me

मैं सिग्नल तक गया और मुस्कुराते हुए लौटा। लेकिन मैं चट्टान को उठाने का साहस नहीं कर सका। क्या होगा अगर वहाँ सिक्के नहीं होंगे? लेकिन फिर, मैंने सोचा, क्या होगा अगर वे वहाँ होंगे?

अंत में बिस्मिल्लाह कहने के बाद, जब मैंने चट्टान को उठाया, एक बड़े बालों वाला कीड़ा उठा, और घूमकर और मुड़कर मेरी ओर सरकने लगा। मैं चिल्लाया और भाग गया और एक बार फिर सिग्नल को छुआ। फिर, अपने हाथों और घुटनों पर रेंगते हुए, मैं पेड़ तक पहुंच गया। मैंने अपनी पूरी कोशिश की कि मेरी आंखें चट्टान की ओर न देखें। लेकिन जैसे ही मैंने अपना बैग उठाया और जाने वाला था, मुझे एक बार फिर चट्टान को देखना पड़ा, और क्या आप जानते हैं कि मैंने वहां क्या देखा? मैंने देखा श्रीमान कीड़ा उस पर आराम से कुंडलि मार कर बैठा था और मुझे घूर रहा था।

8

Jalebis

It So Happened...

(English to Hindi Translation)

I walked away thinking, tomorrow I will do wazu, wear clean clothes and come here. From morning to noon I will keep reading the namaaz. If, even after that, Allah doesn't give me four rupees, I will be forced to learn how to strike bargains or make deals with Him. After all, if my Allah does not give me my four rupees then who will? That day, when I returned home, apparently from school and actually from the railway station, I was caught. The report of my absence had reached home. It's useless to relate what happened after that.

मैं यह सोचते हुए चला गया, कल मैं वज़ू करूंगा, साफ कपड़े पहनूंगा और यहाँ आऊंगा। सुबह से दोपहर तक मैं नमाज़ पढ़ता रहूंगा। यदि इसके बाद भी अल्लाह मुझे चार रुपए नहीं देता, तो मैं उनके साथ मोल भाव करने और सौदा करना सीखने के लिए मजबूर हो जाऊंगा। आखिरकार, अगर मेरे अल्लाह मुझे मेरे चार रुपये नहीं देंगे तो कौन देगा? उस दिन, जब मैं घर लौटा, जाहिर तौर पर स्कूल से और वास्तव में रेलवे स्टेशन से, मैं पकड़ा गया था। मेरी अनुपस्थिति की रिपोर्ट घर पहुंच गई थी। इसके बाद जो कुछ हुआ, उससे संबंधित बताना बेकार है।

Well, whatever happened, happened. But up to the seventh or eighth standard I kept wondering, if Allah miyan had sent me four rupees that day, what harm could it have possibly caused anyone? It was only later that I came to the conclusion that if Allah miyan were to provide all for the asking, then man would, even today, be living in nests like vultures and crows and would not have learnt the art of making jalebis!

खैर, जो कुछ भी हुआ, हुआ। लेकिन सातवीं या आठवीं कक्षा तक मैं सोचता रहा, अगर अल्लाह मियां मुझे उस दिन, चार रुपये भेज देते तो उससे किसी को संभवतः क्या नुकसान हो सकता था? यह केवल बाद में हुआ था कि मैं इस निष्कर्ष पर आया कि अगर अल्लाह मियां मांगने पर सब कुछ दे देते, तो आदमी, आज भी, गिद्धों और कौवों की तरह घोंसलों में रहता और जलेबी बनाने की कला नहीं सीखी होती!

AHMED NADEEM QASMI

अहमद नदीम कासमी

(translated from the Urdu by SUFIYA PATHAN)

(सूफिया पठान द्वारा उर्दू से अनूदित)